Self Respect

02-08-2014

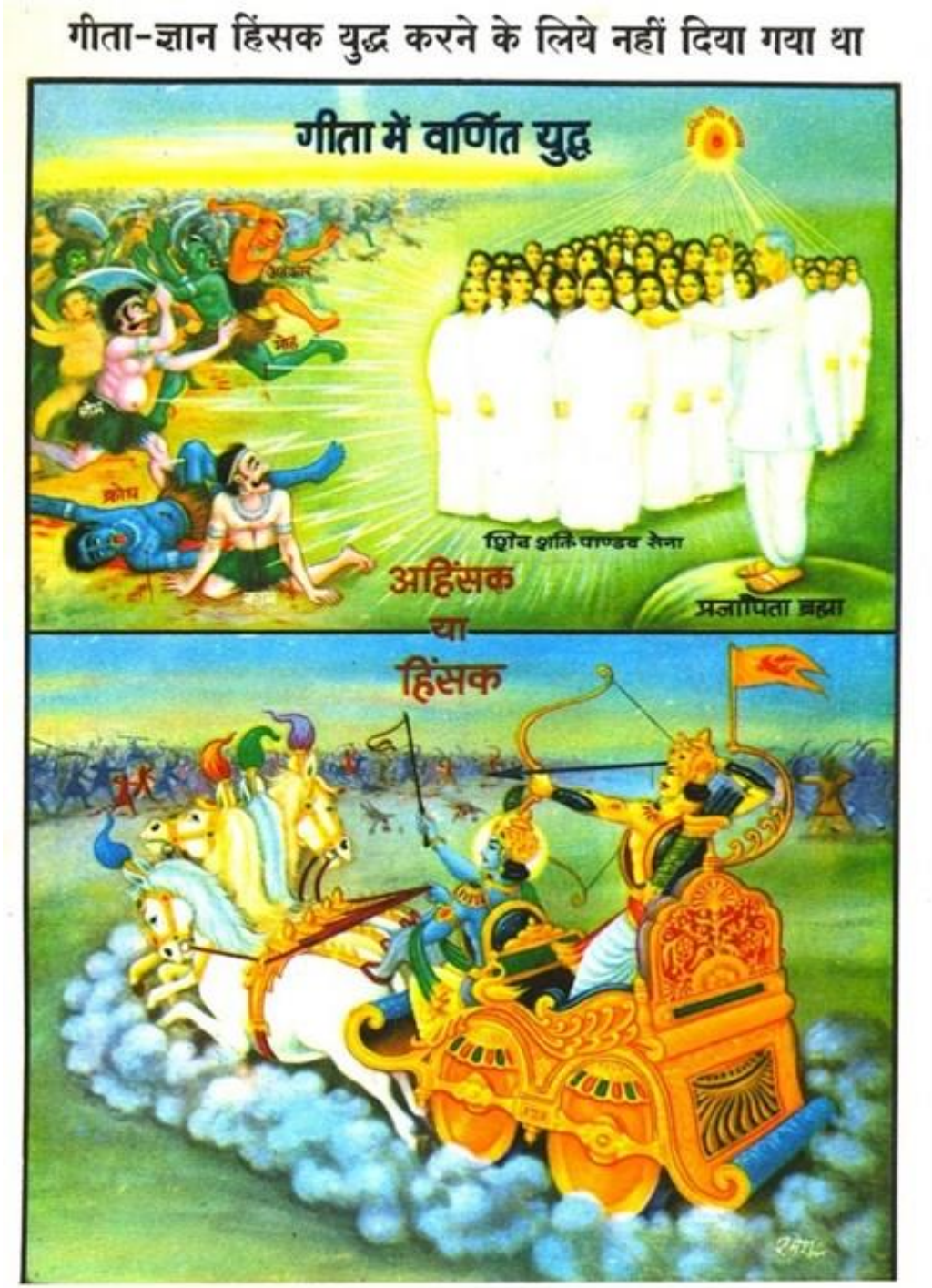

- ✓अविनाशी बाप की अविनाशी बच्चों को शिक्षा मिलती है ।

- ✓तुम अविनाशी ज्ञान रत्नों से झोली भरते हो । आत्मा समझती है कि बाबा हमको अविनाशी ज्ञान खजाना देते हैं । भगवान पढ़ाते हैं तो जरूर भगवान भगवती ही बनायेंगे ।

- ✓कदम-कदम पर पदम् देने वाला तो एक ही बाप है । सर्विस पर बड़ा अटेंशन चाहिए । तुम्हारा कदम है याद की यात्रा का, उनसे तुम अमर बन जाते हो ।

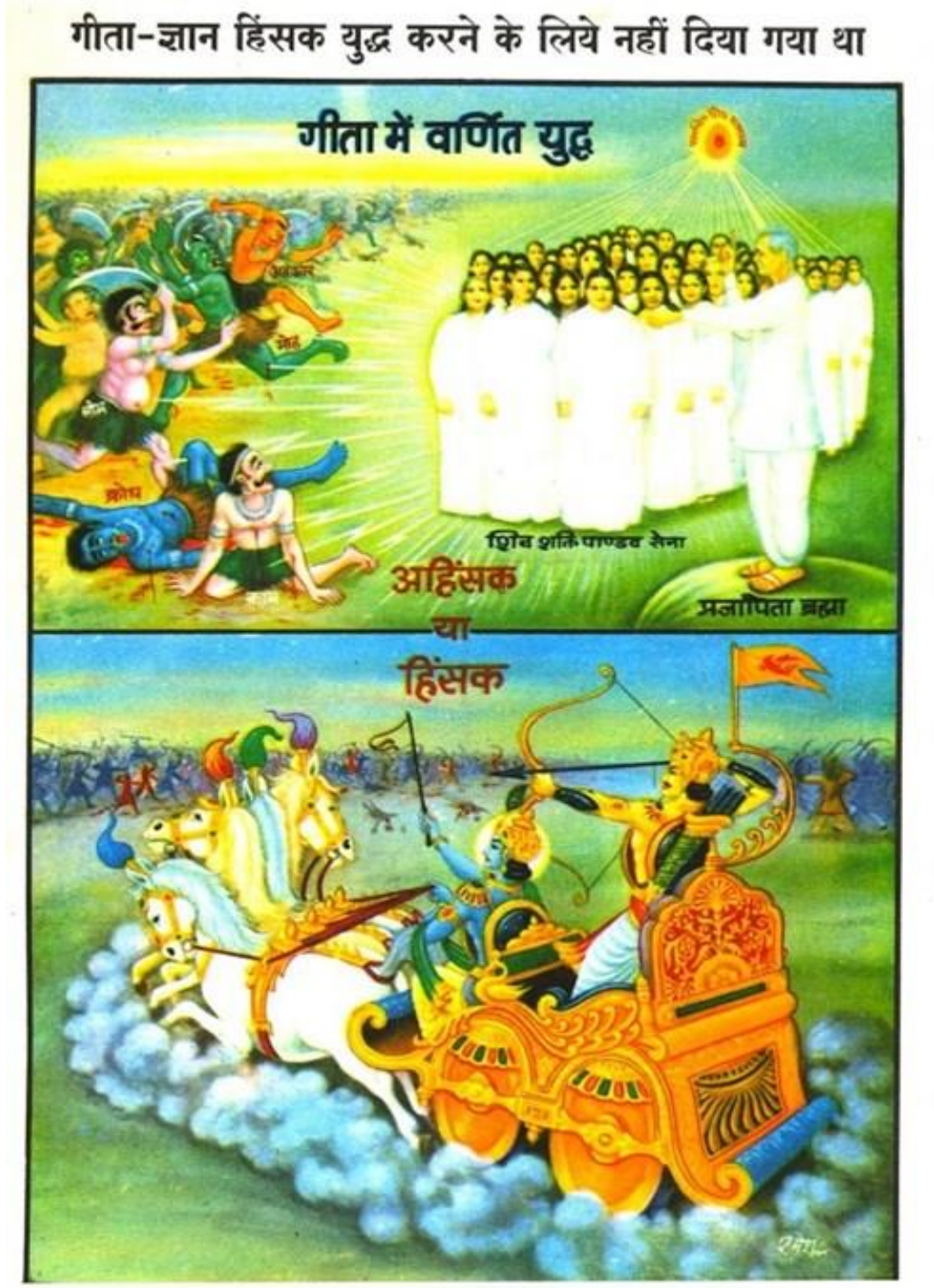

- ✓बाप तुमको कितना ऊंच बनाते हैं । जितना याद करेंगे, हेल्थ-वेल्थ दोनों मिल जायेंगे । बाकी क्या चाहिए । दोनों चीजों से एक नहीं होगी तो हैप्पीनेस नहीं होगी ।

- ✓खुशी में रहना चाहिए । खुशी ही खुशी, यह अन्त की बात है । अतीन्द्रिय सुख गोप-गोपियों से पूछो । पिछाड़ी में तुम बहुत अच्छी रीति समझ जाते हो । रीयल शान्ति किसे कहा जाता है, यह बाप ही बतलाते हैं । तुम बाप से शान्ति का वर्सा लेते हो ।

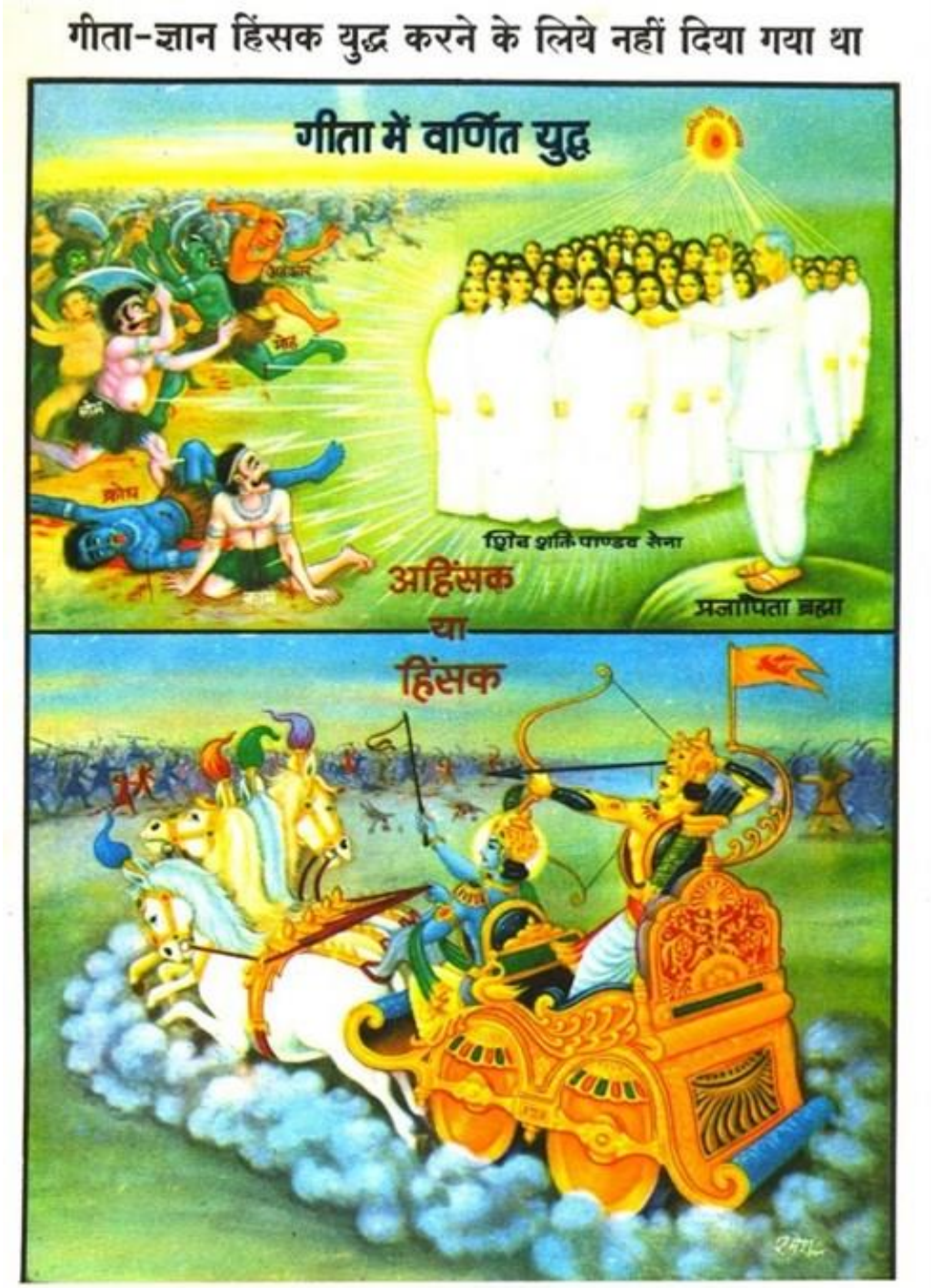

- ✓बाप शान्ति का सागर है । बाप समझाते हैं मेरे पास आ कौन सकते हैं । फलाना-फलाना धर्म फलाने-फलाने समय पर आते हैं । स्वर्ग में तो आ न सकें ।

- ✓अभी तुम सदाकाल के लिए हर्षित बनते हो, इसको कहा जाता है ईश्वर की अविनाशी लॉटरी । उसके लिए पुरूषार्थ करना पड़ता है । ईश्वरीय लॉटरी और आसुरी लॉटरी में कितना फर्क होता है ।

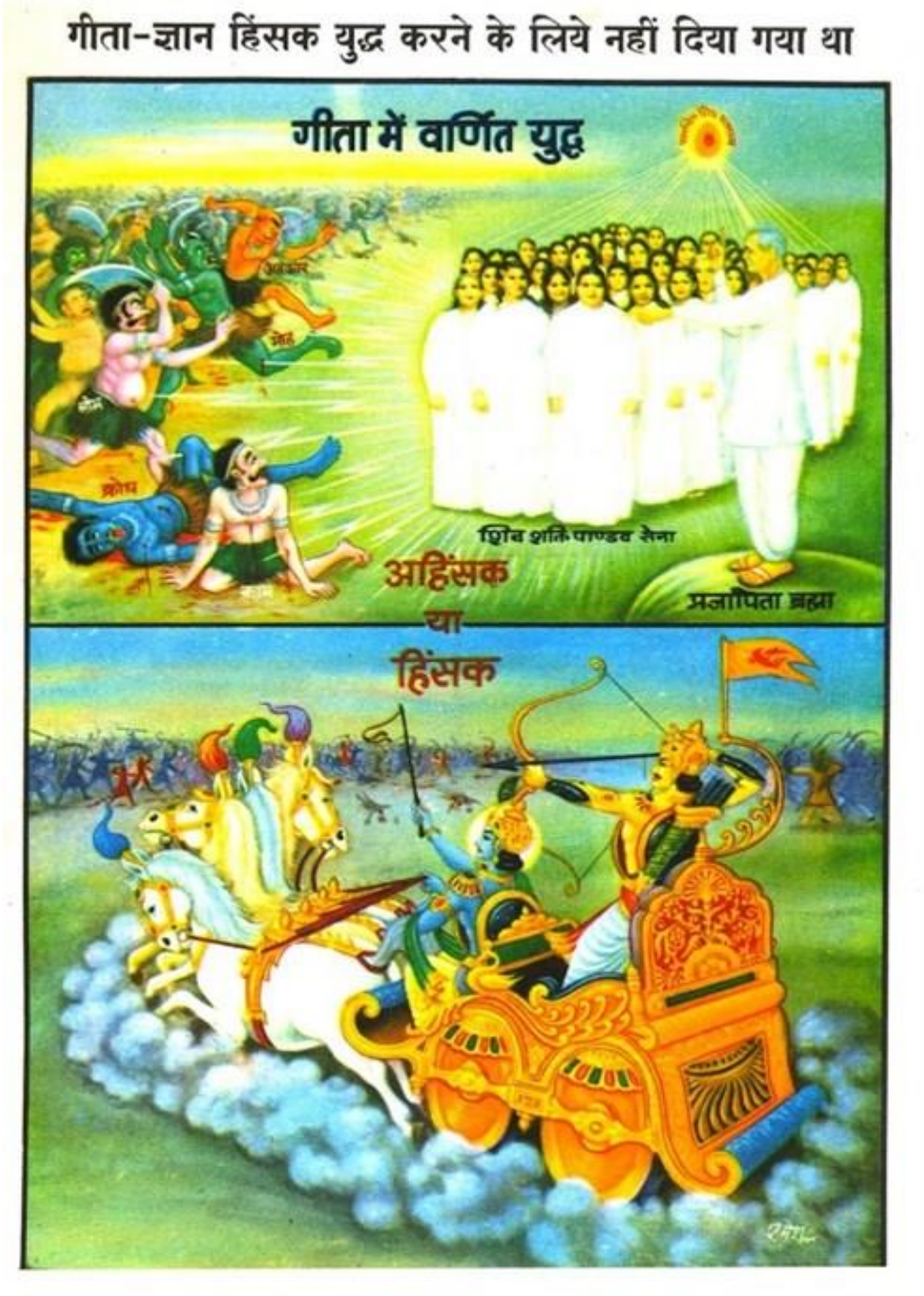

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |

✓वरदान: महादानी बन फ्राकदिली से खुशी का खजाना बांटने वाले मास्टर रहमदिल भव !